आरसा (ARSA)

आरसा (ARSA) - असामान्य दायीं तरफ की सबक्लेवियन रक्त वाहिका - का क्या अर्थ है?

आरसा शरीर की सबसे बड़ी धमनी (artery) एओर्टा (Aorta) से निकलने वाली धमनियों में एक मामूली बदलाव है। एओर्टा शरीर की बड़ी रक्त वाहिकाओं (blood vessel) में से एक है जो हृदय से निकल कर सिर और शरीर को ऑक्सीजन युक्त रक्त की आपूर्ति करती है। एओर्टा ह्रदय से निकल कर सिर की दिशा में जाती है, फिर घूम कर छाती और पेट की ओर मुड़ती है। एओर्टा के घुमावदार हिस्से से ज्यादातर लोगों में, तीन वाहिकाएँ (vessels) निकलती हैं, जो सिर, गर्दन और बाँहों की ओर जाती हैं। उनमें से एक से दायींसबक्लेवियन धमनी (Right subclavian artery) उत्पन्न होती है। लगभग 1% लोगों में, एओर्टा की चार शाखाएं होती हैं, और दायीं सबक्लेवियन धमनी एओर्टा के उस हिस्से से निकलती है जो नीचे की ओर जाता है। यह श्वास की नली और ग्रासनली (नली जो मुंह को पेट से जोड़ती है) के पीछे से जाकर दाहिने कंधे और हाथ की ओर मुड़ जाती है। नीचे दिए गए चित्र में एओर्टा सहित उससे निकलने वाली चार धमनियां दर्शायी गयी हैं - right common carotid, left common carotid, left subclavian and aberrant right subclavian artery (आरसा).

आरसा कैसे बनती है?

भ्रूण के शुरुआती सप्ताह के दौरान, जब ह्रदय और वाहिकाओं की जटिल रचना का निर्माण हो रहा होता है, कुछ वाहिकाएं जोड़े के रूप में शुरुआत करती हैं, फिर आपस में मिल जाती हैं, जबकि कुछ अन्य गायब हो जाती हैं। आरसा में विकास का यह प्रतिरूप थोड़ा बदल जाता है जिसकी वजह से एओर्टा से तीन वाहिकाओं का निर्माण संभव नहीं हो पाता। इस वजह से चार वाहिकाएं उत्पन्न होती हैं, तीन सामान्यत: एओर्टा के घुमावदार बायीं तरफ के हिस्से से और एक आरसा।

आरसा में गुणसूत्र (chromosomes) का क्या महत्व है?

गुणसूत्र वे होते हैं जहां हमारी अधिकांश आनुवंशिक (genetic) जानकारी होती है। हमारे पास आमतौर पर 46 गुणसूत्र होते हैं जो जोड़े में होते हैं: 23 माता से आते हैं और दूसरे 23 पिता से आते हैं। उदाहरण के लिए, डाउन सिंड्रोम वाले लोगों में २१वां गुणसूत्र एक अधिक मात्रा में होता है। DiGeorge सिंड्रोम से पीड़ित लोगों में २२वें गुणसूत्र में से एक में परिवर्तन होता है। इन दोनों स्थितियों को आरसा वाले शिशुओं में अधिक देखा जाता है: यदि गुणसूत्रों के भीतर परिवर्तन होता है, तो यह आरसा का कारण होगा। हालांकि आरसा के अधिकांश मामलों में, न ही कोई गुणसूत्र दोष पाया जाता है और न ही कोई आनुवंशिक कारण पाया जाता है।

क्या मुझे और परीक्षण करवाने चाहिए?

जब आपके शिशु के स्कैन (ultrasound) के दौरान आरसा पायी जाती है, तो आपके चिकित्सक आपको बच्चे की शारीरिक रचना, विशेषकर हृदय और रक्त वाहिकाओं के विस्तृत स्कैन के लिए सुझाव दे सकते हैं। यदि स्कैन में केवल आरसा पायी जाती है और अन्य कोई शारीरिक दोष या जेनेटिक लक्षण नहीं पाए जाते हैं तो आपको शायद किसी भी अन्य परीक्षण की आवश्यकता नहीं होगी। हालाँकि, यदि अन्य कोई चिंताजनक लक्षण पाए जाते हैं तो आपको आनुवंशिक (genetic) परामर्श और genetic परीक्षण के लिए प्रेरित किया जा सकता है, ताकि आपके बच्चे में संभावित गुणसूत्र की बीमारियां जैसे डाउन सिंड्रोम और DiGeorge सिंड्रोम का पता लगाया जा सके। आपके बच्चे में डाउन सिंड्रोम होने की सम्भावना का पता कई जांचों से लगाया जा सकता है। आगे की जाँच कई कारणों पर निर्धारित की जाती है - आपकी उम्र, आरसा का पता लगने पर गर्भ के सप्ताह, डाउन सिंड्रोम से सम्बंधित पहले की जाई जांच या अन्य कोई जेनेटिक जांच जो आप पहले करवा चुके हों।

गर्भावस्था के दौरान किन बातों का ध्यान रखें?

केवल आरसा पाए जाने पर आमतौर पर गर्भावस्था में देखभाल में कोई परिवर्तन नहीं किया जाता। आपके चिकित्सक आपको आगे के परीक्षण एवं अल्ट्रासाउंड के बारे में सलाह दे सकते हैं। यदि आरसा के अलावा कोई शारीरिक दोष या जेनेटिक बिमारियों के लक्षण पाए जाते हैं तो आपके चिकित्सक आपको अन्य विशेषज्ञों के पास जाने के लिए कह सकते हैं जैसे कि जेनेटिक बिमारियों के विशेषज्ञ, और माता एवं अजन्मे बच्चे के चिकित्सा विशेषज्ञ या बाल ह्रदय रोग विशेषज्ञ, जिससे कि आगे की देखभाल व चिकित्सा का प्रबंध किया जा सके।

आरसा होने से बच्चे के जन्म के बाद इसका क्या प्रभाव होगा?

आरसा से अधिकांश व्यक्तियों को कोई लक्षण नहीं होते, व उन्हें ज्ञात भी नहीं होता कि उन्हें आरसा है। आरसा अपने आप में बहुत चिंता का विषय नहीं है। यदि आरसा के अलावा कोई लक्षण नहीं है, तो बाल रोग विशेषज्ञ आपको नवजात शिशु में ध्यान रखने योग्य बातों के बारे में सलाह दे सकते हैं। कुछ मामलों में अतिरिक्त रक्त वाहिका श्वास की नली और ग्रासनली (नली जो मुंह को पेट से जोड़ती है) पर दबाव डाल सकती है और सांस लेने या निगलने में समस्या पैदा कर सकती है। यदि आरसा अन्य शारीरिक या गुणसूत्र समस्याओं से जुड़ी पायी जाती है, तो आपके विशेषज्ञ इन निष्कर्षों के प्रकाश में आपके बच्चे की व्यक्तिगत रोग और उसके लक्षणों पर चर्चा कर सकते हैं। हर बच्चा अद्वितीय है। आप, आपके डॉक्टर और अन्य देखभालकर्ता आपके बच्चे और आपके परिवार के लिए सबसे अच्छी प्रबंधन योजना विकसित करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।